"गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देना" विषय पर एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद में आयोजित

आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में "गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देना" विषय पर एक एक्सपोजर विजिट एवं एक दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 24.03.2022 को भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद, गुजरात में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में तालुका घोघंबा, जिला पंचमहाल के गमनी गांवों के 40 आदिवासी किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. गीता के. ए. प्रधान वैज्ञानिक के पुष्प स्वागत के साथ हुई जिन्होंने उद्घाटन सत्र

की अध्यक्षता की, इसके बाद डॉ. पी. एल. सारण, प्रभारी पीएमई सेल और भाग लेने वाले किसानों का पुष्प स्वागत किया गया। डॉ. के. ए. कालरीया, नोडल अधिकारी, टीएसपी, आईसीएआर-डीएमएपीआर ने टीएसपी योजना के बारे में जानकारी दी और चयनित औषधीय पौधों का अच्छी संग्रह और कृषि पद्धतियों पर बात की। डॉ. सारण ने कुछ महत्वपूर्ण औषधीय एवं सगंधीय पौधों की पद्धतियों का पूरा पैकेज समझाया। डॉ. बी. बी. बसाक, वैज्ञानिक ने एमएपी की जैविक खेती पर जानकारी दी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी पंजीकृत लाभार्थी आदिवासी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण किट और फेस मास्क वितरित किए गए। व्याख्यान सत्र के बाद डॉ. सत्यांशु कुमार, निदेशक (कार्यकारी) और अन्य रिसोर्स पर्सनद्वारा लाभार्थी प्रतिभागियों को तिरपाल शीट का वितरण किया गया। डॉ. के. ए. कालरीया, वैज्ञानिक, आईसीआर-डीएमएपीआर, आणंद द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

(स्रोत :कृषि ज्ञान प्रबंधन इकाई भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद,गुजरात।)